**डा.रूपक डे** भा.व.से.
**प्रमुख वन संरक्षक,**
**उत्तर प्रदेश,**

**'अरण्य भवन'**
17– राणा प्रताप मार्ग,
लखनऊ–226001
काः 2206168
दूरभाषः– फैः 2206053

## संदेश

हमारी धरती पर वनस्पतियों, पशु–पक्षियों कीट–पतंगों, सरीसृप व सूक्ष्म जीवों के रूप में समृद्ध जैवविधिता विद्यमान है। पादप व प्राणि प्रजातियों की लगभग एक करोड़ प्रजातियों से समृद्ध जैव विविधता मानव जाति के अस्तित्व रक्षा के लिए अपरिहार्य व हमारी विशिष्ट पहचान है। हमारे पर्यावरण में अब तक पहचानी गई लगभग पन्द्रह लाख जीव जातियों में से विभिन्न पादप प्रजातियों को खेतों में उगाया व पशु पक्षियों की कई प्रजातियों को मनुष्यों द्वारा पालतू बनाया गया है, इन प्रजातियों की अनुमानित संख्या दस हजार है। शेष प्रजातियां दुर्गम व दूरस्थ वन क्षेत्रों सहित विभिन्न पारिस्थितिकीय तन्त्रों में प्राकृतिक रूप से पल व बढ़ रही हैं। मनुष्यों द्वारा उगाई व पाली जा रही प्रजातियों की नस्लों, गुणवत्ता व उत्पादकता में सुधार हेतु प्राकृतिक रूप से पल व बढ़ रही प्रजातियों का महत्वपूर्ण योगदान है। धरती पर उपलब्ध अधिकांश जैव सम्पदा की पहचान व उपयोग की जानकारी न होने के कारण भविष्य में वैज्ञानिक रूप से और अधिक उन्नत होने पर इस सम्पदा से लाभान्वित होने, पर्यावरण संतुलन बनाए रखने एवं प्रजातियों को बचाए रखने के लिए भी इन्हे सुरक्षित रखना है। हम सबको हमेशा ध्यान रखना है कि प्रकृति चक्र के विरूद्ध किया गया विकास अल्पकालिक होता है तथा प्रकृति के साथ समन्वय स्थापित करते हुए एवं जैव विविधता संरक्षित करते हुए किया जाने वाला विकास ही स्थायी होता है।

पथिकों को छाया, पक्षियों सहित विभिन्न वन्य प्राणियों को आश्रय व भोजन, सूक्ष्म जलवायु में सुधार, निकटवर्ती कृषि भूमि की उत्पादकता में वृद्धि सहित विभिन्न पर्यावरणीय सेवाओं की निरन्तरता बनाए रखने व प्रदेशवासियों के हृदय में प्राकृतिक सम्पदा के प्रति संवेदना उत्पन्न कर जैव विविधता संरक्षित करने हेतु प्रदेश के प्रत्येक जनपद में हरित पट्टियों का विकास, आगरा, मथुरा,फैजाबाद फिरोजाबाद, रामपुर, आजमगढ़,लखनऊ उन्नाव,कन्नौज, मैनपुरी एवं बदायूँ सहित विभिन्न जनपदों में टोटल फॉरेस्ट कवर योजना का क्रियान्वयन,इस दिशा में एक सार्थक प्रयास है। वन्य प्राणियों के स्वच्छन्द विचरण एवं प्राकृतवास की सुरक्षा हेतु एक राष्ट्रीय उद्यान व 25 वन्यजीव विहारों का प्रबन्धन, वन क्षेत्र से भटककर आबादी क्षेत्र की ओर उन्मुख वन्य प्राणियों का प्रभावी व दक्ष प्रबन्धन, इको पर्यटन नीति का प्रख्यापन एवं इटावा में लायन सफारी व बब्बर शेर प्रजनन केन्द्र का विकास प्रदेश में जैव विविधता संरक्षण व संवर्धन की दिशा में किए गए महत्वपूर्ण प्रयास हैं।

**'अन्तर्राष्ट्रीय जैव विविधता दिवस' (22 मई,2015)**के अवसर पर आयोजित कार्यक्रमों की सफलता की कामना करते हुए समस्त प्रदेशवासियों से मेरा अनुरोध है कि प्रदेश की समृद्ध जैव विविधता को संरक्षित व संवर्धित कर प्रदेश को विकास पथ पर अग्रसर रखने में अपना योगदान प्रस्तुत करें।

(डा0रूपक डे)